



भारत का गज़त

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 24]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 31, 2007/माघ 11, 1928

No. 24]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 31, 2007/MAGHA 11, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क नियमित्यालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2007

अंतिम जांच परिणाम

सं. 53/1/2000-डीबीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, आकलन एवं उन पर शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का संकलन एवं क्षति के निर्धारण के लिए) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठ भूमि

2. यतः उपर्युक्त नियमों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने 2 फरवरी, 2000 को चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित ड्राई सेल बैटरियों के क्रथित पाठन की पाटनरोधी जांच प्रारंभ की थी और प्राधिकारी के 24 जनवरी, 2001 के प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर सीमाशुल्क अधिसूचना, दिनांक 6 फरवरी, 2001 के द्वारा चीन जन. गण. से ड्राई सेल बैटरियों के आयात पर अनन्ति पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणामों को दिनांक 13 जुलाई, 2001 की अधिसूचना के जरिए अधिसूचित किया गया था और राजस्व विभाग ने दिनांक 2 अगस्त, 2001 की अधिसूचना के जरिए चीन जन. गण. से आयातित संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

3. उक्त अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत उचित रूप से प्रमाणित आवेदन, जिसमें अगले पाँच वर्ष की अवधि के लिए शुल्क को जारी रखने का अनुरोध किया गया था, के आधार पर प्राधिकारी ने यह जांच करने के लिए कि क्या शुल्क को समाप्त किए जाने से पाठन और/अथवा क्षति के जारी रहने या पुनः प्रारंभ होने की संभावना है, दिनांक 2 फरवरी, 2006 की अधिसूचना के जरिए उक्त उपाय के लिए एक निर्णायक समीक्षा प्रारंभ की। अप्रैल, 04 से सित. 2005 (जांच अवधि) के लिए जांच की गई थी, तथापि जांच अवधि सहित वर्ष 2001-02 की अवधि के लिए क्षति जांच की गई थी।

ख. सामान्य प्रकटन

4. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है : -

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत एक याचिका प्राप्त हुई जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित ड्राइसेल बैटरियों (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात से संबंधित पाटनरोधी शुल्कों की समीक्षा, उन्हें जारी रखने तथा सुधार हेतु निर्णायिक समीक्षा जांच प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया है।

(ii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना से इस बात का प्रथम दृष्ट्या औचित्य प्रदर्शित हुआ कि पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायिक समीक्षा की जांच की आवश्यकता है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के अध्याय 85 के अंतर्गत वर्गीकृत संबद्ध वस्तु के आयात से संबंधित पाटनरोधी निर्णायिक समीक्षा जांच शुरू करते हुए दिनांक 2 फरवरी, 2006 को एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी की जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी।

(iii) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों और/या निर्यातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र के जारी होने के चालीस दिनों के भीतर संगत सूचना उपलब्ध कराने तथा अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।

(iv) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर संगत सूचना प्रदान करने तथा अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने की सलाह दी।

(v) केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) तथा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्योरे उपलब्ध कराएँ।

(vi) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार उत्पादकों/निर्यातकों और चीन जन. गण. के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां प्रदान कीं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उनके द्वारा अनुरोध किए जाने पर अगोपनीय आवेदन की प्रति उपलब्ध कराई गई थी।

(vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों सहित चीन की सरकार से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी; किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(viii) नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना के लिए संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एवं एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गई थी। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(ix) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं और ज्ञात प्रतिनिधि उपभोक्ता संगठनों को पाठन, क्षति एवं कारणात्मकता के संबंध में जांच के संगत मानी गई सूचना प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।

(x) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रकट करने का अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 22 अगस्त, 2006 को एक सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें केवल याचिकाकर्ता उपस्थित हुआ था। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने मौखिक सुनवाई में भाग नहीं लिया था। सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रकट किए गए विचारों को लिखित रूप से प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मौखिक रूप से प्रस्तुत विचार/सूचना पर खण्डन प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता से प्राप्त इस लिखित प्रस्तुतीकरणों पर विचार किया है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने लिखित प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत नहीं किया है।

(xi) प्राधिकारी द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों एवं प्रस्तुत की गई सूचना/साक्ष्य पर उस सीमा तक उचित रूप से विचार किया गया है जहाँ तक उसे साक्ष्य द्वारा समर्थित और वर्तमान जांच के संगत माना गया है।

(xii) जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना, जिस पर यह जांच परिणाम आधारित है, की तथ्यप्रकृति के संबंध में स्वयं को संतुष्ट किया। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने संगत एवं आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया। घरेलू उद्योग से क्षति के संबंध में अतिरिक्त/अनुपूरक और मांग गए थे जो प्राप्त भी हुए थे।

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(xiv) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पांच वर्ष मार्जिन से कम पाठनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

(xv) ***** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

(xvi) जांच में अप्रैल, 2004 से सितम्बर, 2005 की अवधि शामिल थी जिसे जांच अवधि कहा गया है। क्षति विश्लेषण के संबंध में रखाने की जांच में जांच अवधि सहित 2001- 2002, 2002- 2003, 2003- 2004 और 2004-05 की अवधि शामिल थी।

(xvii) जहाँ कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने अथवा अन्यथा उसे प्रस्तुत करने से मना किया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहाँ प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इन जांच परिणामों को दर्ज किया है।

(xviii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता संबंधी दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई है। संतुष्ट होने पर जहाँ कहीं भी वांछित था, वहाँ प्राधिकारी ने गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय मानते हुए उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है। जहाँ कहीं भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपान्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

(xix) नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को अब ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया जा रहा है और उस पर प्राप्त उनकी टिप्पणियां पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु :

ग.1. हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि वर्तमान समीक्षा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है। मूल जांच और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद ड्राई सेल बैटरीज हैं। वर्तमान निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही होना चाहिए जो मूल जांच में था क्योंकि वर्तमान जांच केवल समीक्षा जांच है। इसके अतिरिक्त यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीन से आयातित ड्राई बैटरियॉं समान वस्तुएं हैं। अन्य जांच में प्राधिकारी ने माना है कि समीक्षा के मामले में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र तथा समान उत्पाद की समीक्षा की कोई आवश्यकता नहीं है। ऐसी स्थिति में भारतीय उत्पादकों ने निवेदन किया है कि इस चरण में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र एवं समान वस्तु की जांच किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ग.2. आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु से संबंधित मुद्दों पर किसी अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत नहीं किया है।

ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 85 की अनुसूची I के सीमाशुल्क उपशीर्ष 850610 के तहत वर्गीकृत 'ड्राई सेल बैटरी' है जिसे प्राइमरी सेल बैटरी, जिंक कार्बन पेंसिल बैटरी, आर 6, ए ए, यूएम 3 आदि नामों से भी जाना जाता है। यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

8. कागज तथा धातु जैकेट दोनों रूपों (हैवी ड्यूटी तथा सुपर हैवी ड्यूटी दोनों) में तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से आर 6, ए ए, 'यू एम 3' के नाम से ज्ञात जिंक कार्बन पेंसिल बैटरियॉं जांच के दायरे में आती हैं। कार्बन जिंक बैटरियॉं का उत्पादन एक बार प्रयोग के लिए किया जाता है और उसमें कागज मढ़ी, धातु एवं प्लास्टिक मढ़ी (हैवी ड्यूटी तथा सुपर हैवी ड्यूटी प्रयोगों के लिए) बैटरियॉं शामिल हैं। कागज मढ़ी हुए बैटरियॉं में कागज का जैकेट होता है जबकि धातु/प्लास्टिक मढ़ी बैटरियॉं की सतह धातु/प्लास्टिक की होती है। उनके प्रयोगों के बारे में उपभोक्ता अवधारणा में कोई विशेष अंतर नहीं है और उपर्युक्त सभी प्रकारों का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है और किया जा रहा है।

एल्कली बैटरियाँ, री-चार्जबल बैटरियाँ आदि जैसी अन्य प्रकार की बैटरियाँ वर्तमान जांच के दायरे से बाहर हैं।

9. प्राधिकारी ने भौतिक एवं तकनीकी विशेषताओं, उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग, कीमत निर्धारण, उपभोक्ता अवधारण आदि जैसे विभिन्न संगत मापदण्डों पर विचार किया है और वे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु चीन में उत्पादित और/अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। दोनों एक-दूसरे से तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई नया तथ्य/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी मानते हैं कि नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

(घ) घरेलू उद्योग

घ.1. घरेलू उद्योग के विचार

10. वर्तमान याचिका भारत में संबद्ध वस्तु की एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। भारत में संगठित क्षेत्र में ड्राई सैल बैट्री के पाँच उत्पादक हैं और तीन उत्पादकों ने इस एसोसिएशन के माध्यम से वर्तमान याचिका दायर की है। तीन प्रतिभागी कंपनियों को 'घरेलू उद्योग' माना जाना चाहिए क्योंकि इन तीन कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है।

घ.2. निर्यातक, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. अन्य हितबद्ध पक्षकारों में से किसी ने भी घरेलू उद्योग से संबंधित मुद्दे पर कोई निवेदन दाखिल नहीं किया है।

घ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

12. निर्णयक समीक्षा के लिए आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन द्वारा दाखिल किया गया है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का भारत में संभावित क्षेत्र में निम्नलिखित कंपनियों द्वारा उत्पादन किया जाता है -

1. एवरेडी इंडस्ट्रीज लि.
2. निपो बैट्रीज कं. लि.
3. पैनासॉनिक बैट्री इंडिया कं. लि. (पूर्व में मत्सुतिता लखनपाल बैट्री इंडिया लि. के रूप में जात)
4. बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी सिस्टम्स लि.
5. जीप बैट्रीज (इंडिया) प्रा. लि.

यह नोट किया जाता है कि निर्णयक समीक्षा जांच शुरू करने के पश्चात रित्यायंस इंडस्ट्रीज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अन्य के मामले में दिए गए उच्चतम न्यायालय के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में संगठित क्षेत्र में भारतीय उत्पादकों से लागत एवं क्षति के संबंध में सूचना मार्गी गई थी। यद्यपि एवरेडी, निपो और पैनासॉनिक बैट्री ने लागत एवं क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध करवी थी, तथापि बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी और जीप इंडस्ट्रीज से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। यूरो सोलो एनर्जी सिस्टम्स लि. ने सूचित किया कि

कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक उत्पादन जून, 2006 से अर्थात् जांच अवधि के पश्चात किया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन को बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी और जीप बैट्रीज के संबंध में क्षति, क्षतिरहित कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण से प्रासंगिक सूचना उपलब्ध कराने के लिए भी स्मरण कराया, तथापि, बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी और जीप बैट्रीज द्वारा क्षति, क्षतिरहित कीमत और क्षति मार्जिन के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी। बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी और जीप बैट्रीज के लिए उत्पादन लागत और क्षतिरहित कीमत के संबंध में सूचना को लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट से मिलाने के भी प्रयास किए गए थे। तथापि, प्राधिकारी ने सूचित किया कि बीपीएल सॉफ्ट एनर्जी और जीप के संबंध में लागत संबंधी लेखा परीक्षा भारत सरकार के अधिसूचित विनियम के अंतर्गत नहीं थी और इसलिए संगत अवधि के लिए लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी।

13. एसोसिएशन के दावों के अनुसार असंगठित क्षेत्र में अनेक उत्पादक भी संबद्ध वस्तु का उत्पादन करते हैं और इन उत्पादकों का अलग-अलग आकार बहुत कम-कम है। असंगठित क्षेत्र में इन उत्पादकों के उत्पादन का घरेलू उद्योग द्वारा संगठित क्षेत्र में उत्पादन के 5% क्षेत्र में अनुमान लगाया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि असंगठित क्षेत्र में किसी भी उत्पादक ने प्राधिकारी को जवाब नहीं दिया है और इन सत्ताओं द्वारा उत्पादन के संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है। यह भी पता नहीं है कि क्या ये सत्ताएं उत्पादन के पूरे कार्यकलापों को करती हैं अथवा अर्द्ध- परिष्कृत अवस्था से उत्पाद का उत्पादन कर रही हैं। घरेलू उद्योग के परिसर में जांच से पता चला है कि मिश्रण- पूर्व पाउडर का उत्पादन मूल विनर्माण क्रियाकलाप है और मिश्रण- पूर्व पाउडर तैयार करने के पश्चात् संबद्ध वस्तु का उत्पादन केवल असेम्बली जैसा प्रचालन होता है। अतः यह प्रमाणित नहीं किया जा सका कि असंगठित क्षेत्र के इन उत्पादकों को वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ वास्तव में 'उत्पादक' समझा जाना चाहिए। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस बात पर विचार किए बगैर कि उनके उत्पादन की गिनती की जाती है अथवा नहीं, प्रतिभागी कंपनियों द्वारा उत्पादन 50% से बहुत अधिक है और यदि असंगठित क्षेत्र की इन इकाइयों द्वारा उत्पादन को पात्र उत्पादन भी समझा जाए तो यह भारतीय उत्पादन का लगभग 85% बनता है।

14. की गई जांच और रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीन प्रतिभागी कंपनियों द्वारा उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है और ये कंपनियां नियमावली के अर्थ के भीतर 'घरेलू उद्योग' हैं।

ड. अन्य मुद्दे

ड.1. घरेलू उद्योग के विचार

15. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि

क. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि मिश्रण- पूर्व पाउडर के 195 मी. टन का आयात क्षति अवधि के दौरान लगभग 35 मिलियन उत्पादन करने के लिए पर्याप्त है। वह कीमत जिस पर इस पाउडर का आयात किया गया है, पाटनरोधी शुल्कों को वापस लिए जाने की स्थिति में उत्पाद की संभावित कीमतों का एक स्पष्ट साध्य है।

ख. घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना करके उत्पाद का तीसरे देशों जैसे मलेशिया, कोरिया और अन्य पूर्वी एशियाई देशों के जरिए निर्यात जारी है और उन्होंने अनुराध किया है कि चीन के मूल की संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर शुल्क लगाना अपेक्षित है। उत्पाद

की उसी अथवा समान पुरानी कीमतों पर बिक्री जारी है जो मूल जांच के समय पायी गयी थीं। भारतीय उत्पादकों ने पूर्व में संबद्ध वस्तु की मिथ्या घोषणा के बारे में संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष बास- बार शिकायत की है। यद्यपि संबद्ध वस्तु के बारे में ऐसी मिथ्या घोषणा संबंधी घटनाओं में भारतीय उत्पादकों द्वारा की गई बास- बार शिकायतों के बाद कभी आयी थी तथापि, बाजार में तीसरे देशों के जरिए आयातों में वृद्धि देखी गई और जांच अवधि के दौरान ऐसे तीसरे देशों से 55 मिलियन बैटरियां रिपोर्ट की गई हैं।

उ.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

16. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क की जांच की गई थी और यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क ड्राईसैल बैट्रीज के आयात पर लगाया गया है न कि मिश्रण- पूर्व पाउडर पर। यह भी नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र न तो मिश्रण- पूर्व पाउडर के आयात तक बढ़ाया जा सकता है और न ही मिश्रण- पूर्व पाउडर के आयातों की मात्रा एवं मूल्य को चीन से संबद्ध वस्तु के पाटन के निर्धारण के प्रयाजनार्थ प्रयोग किया जा सकता है।

17. जहाँ तक तीसरे देशों से आयातों का संबंध है प्राधिकारी अपनी इस स्थापित प्रथा को दोहराते हैं कि संबद्ध देश के मूल के विचाराधीन उत्पाद पर निर्यात के देश पर विचार किए बगैर पाटनरोधी शुल्कों की सिफारिश की जाती है और उस स्थिति में यदि चीनी मूल की बैट्रीज तीसरे देशों से भी आयात की जाती है तो उक्त उत्पाद पर उद्ग्रहीत पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा। जहाँ तक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद की संभावित प्रवंचना का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि असंतुष्ट पक्ष अपनी शिकायतें उपयुक्त प्राधिकारी के समक्ष कर सकते हैं क्योंकि पाटनरोधी नियमावली में पाटनरोधी जांचों के दौरान प्रवंचना संबंधी कार्यवाही को शामिल नहीं किया जाता है।

च. पाटन एवं पाटन के जारी रहने की संभावना

च.1. घरेलू उद्योग के विचार

18. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि

पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयातों की मात्रा में गिरावट आयी है। उत्पाद का तीसरे देशों जैसे मलेशिया, कोरिया और अन्य पूर्वी एशियाई देशों के जरिए भारत को निर्यात जारी है। टेलेसन, पावर्बेस, ब्रेवपावर, शक्तिमान, रोयल, मैक्स, मैक्सपावर, मैक्सेल, सम्बैट आदि जैसे ब्रांडों की बैट्रीज प्रमुख व्यापार बाजारों अर्थात् सदर बाजार, नई दिल्ली और मुम्बई स्थित मस्जिद बंदर और कैफोर्ड मार्किट में आसानी से देखी जा सकती है। उत्पाद की उसी अथवा समान कीमतों पर बिक्री जारी है जो मूल जांच के समय पायी गई थीं।

चीन से मिश्रण- पूर्व पाउडर का बहुत बड़ी मात्रा में आयात हुआ बताया गया है जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत में संबद्ध वस्तु का उत्पादन था। भारतीय उत्पादक कम से कम 278 मी. टन मिश्रण- पूर्व पाउडर के आयातों का पता लगा सकते थे जो लगभग 50 मिलियन संबद्ध बैट्रीज का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त था। जिस कीमत पर इस पूर्व-मिश्रित पाउडर का आयात किया गया है, वह पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में उत्पाद की संभावित कीमतों का एक स्पष्ट साक्ष्य है।

यह विश्वास करने का पर्याप्त कारण है कि इस बात पर विचार करते हुए कि संबद्ध देश में उत्पाद की माँग उत्पादकों द्वारा उनके देश में सृजित की गई क्षमता से बहुत कम है क्योंकि उनके पास विशाल अप्रयुक्त क्षमताएं हैं यदि वर्तमान शुल्कों को वापस ले लिया जाए तो निर्यातक अपने निर्यातों को भारत की ओर परिवर्तित करेगा ।

इस बात की जांच करने के लिए कि क्या शुल्क की समाप्ति से इन देशों के निर्यातकों को संबद्ध वस्तु का भारत को एक बार फिर पाटित कीमतों पर निर्यात करने की अनुमति होगी, निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात की अवश्य जांच करनी चाहिए कि क्या चीन से तीसरे देशों को निर्यात पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं और ये निर्यात (क) भारत में अन्य स्रोतों से आयात कीमत; (ख) भारतीय उत्पादों की बिक्री कीमत से तुलनीय हैं । भारतीय उत्पादकों का निवेदन है कि ऐसी स्थिति में जहां तीसरे देशों को निर्यात पाटित कीमतों पर हो रहे हों और (क) ऐसी निर्यात कीमतें अन्य देशों से भारत को निर्यात कीमत के साथ तुलनीय हों और (ख) आयतों की पहुंच कीमत ऐसी कीमतों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अत्यधिक कम हों वहां अवश्य ही यह माना जाना चाहिए कि यदि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाते हैं तो इस देश में उत्पादक भारतीय बाजार में सामग्री का पाटन करने लगेंगे ।

तीसरे देश के निर्यातों के संबंध में पाटन की संभावना की विशेष रूप से जब प्रस्तावित जांच अधिक में घरेलू देश में कोई निर्यात न हुआ हो, जांच करना अन्य जांच प्राधिकारियों की प्रथा रही है । तथापि, पाटित कीमतों पर भारत को निरन्तर निर्यात की स्थिति में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह जांच करनी चाहिए कि क्या तीसरे देशों को निर्यात पाटित कीमतों पर किए गए हैं । यदि ऐसे निर्यात पाटित कीमतों पर हुए होते तो प्राधिकारी यह मानते कि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में पाटन की पुनरावृत्ति होगी । इसे इस आलोक में देखा जा सकता है कि चीन के निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन बहुत अधिक बना हुआ है ।

चीन से संबद्ध उत्पाद का पूरे विश्व में अत्यधिक निर्यात किया गया है । याचिकाकर्ता द्वारा चीन के उत्पादक अथवा आपूर्तिकर्ता पर किए गए वेब आधारित विस्तृत अन्वेषण से चीन में उत्पाद के 2000 से भी अधिक संभावित आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी का पता चला था । जिस कीमत पर चीन से ए ए बैट्रीज का आयात किया जा रहा है वह कीमत उस कीमत का एक अच्छा साक्ष्य है जिस पर पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादकों द्वारा भारत को एए बैट्रीज की बिक्री किए जाने की संभावना है । एए बैट्रीज, एए बैट्रीज का सूक्ष्म रूप होती है । यद्यपि एए बैट्रीज की वार्तविक लागत एएबैट्रीज की लागत से छोड़ी कम है, इसके विनिर्माण में सूक्ष्म नाजुक संघटकों का संयोजन और सूक्ष्म प्रौद्योगिकी शामिल होती है, इसलिए इस उत्पाद की कीमत लगभग ए ए बैट्रीज के स्तर पर ही रखी जाती है ।

जस्ते का खनन और इसकी कीमत में बदलाव चीन की सरकार के नियंत्रणाधीन है । इसके अलावा, चीन की सरकार जस्ते पर निर्यात शुल्क लगाकर जस्ते की कीमत पर तदर्थ नियंत्रण का सहारा ले रही है और शामिल होने संबंधी संधि के अनुसार चीन की सरकार ने इस उत्पाद पर निर्यात शुल्क लगाया है । जस्ते पर आयी लागत ड्राई सैल बैटरी की कुल उत्पादन लागत के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए जस्ते की किसी अधिमानी अथवा अनुकूल कीमत से स्वाभाविक रूप से चीन के उत्पादकों को अनुचित फायदा होगा जिससे उनके लिए विदेशी बाजारों में सामग्री का पाटन करना संभव हो जाएगा ।

घरेलू उद्योग में पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति से घरेलू उद्योग को होने वाली संभावित क्षति से बचाव के लिए भारत सरकार द्वारा चीन पर पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखा जाना अपेक्षित है।

च.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्राधिकारी ने विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा उनकी निर्णयिक समीक्षाओं में अपनाई गई विधि एवं पद्धतियों के संबंध में याचिकाकर्ता के तर्कों तथा इस विषय में डब्ल्यू टी ओ के संगत कानूनों को नोट किया है। उन्होंने यह भी नोट किया है कि एक निर्णयिक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में प्राधिकारी द्वारा पाटन के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की जानी अपेक्षित है।

च.3 पाटन का जारी रहना

20. धारा 9 क (1) (ग) के अनुसार, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थी। प्रश्नावली की प्रति चीन के दूतावास को भी भेजी गई थी। चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक अथवा चीन की सरकार ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक से कोई सहयोग न मिलने के मद्देनजर, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के तहत रिकॉर्डों में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर अपनी जांच पूरी की है, जिसमें यह प्रावधान है:-

"यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है, अथवा उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं करती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।"

सामान्य मूल्य

21. पाटनरोधी जांच में, सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम के अनुसार किया जाएगा, जिसमें प्रावधान है कि:-

(ग) किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का अर्थ है:-

(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; यां

(ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु के उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश से उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

22. गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से संबद्ध आयातों की पाटनरोधी जांच में सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 एवं 8 के अनुसार किया जाना अपेक्षित है, जिसमें निम्नानुसार कहा गया है:

"7" गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उचित ढंग से संबद्ध देश के विकास के रूप तथा संबद्ध उत्पाद को ध्यान में रखते हुए एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा तथा चयन के समय उपलब्ध कराई गई विश्वसनीय सूचना पर उचित रूप से विचार किया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में की गई इसी प्रकार की जांच पर भी समय सीमा के भीतर तथा जहाँ उचित हो विचार किया जाएगा। जांच को संबंधित पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के ऊपर उल्लिखित चयन से किसी असंगत विलम्ब के बिना अवगत कराया जाएगा तथा इस संबंध में अपनी टिप्पणियां प्रदान करने हेतु उचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

8.(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढंचे के बाजार सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पर्याप्त वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मापदंड के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती हैं।"

(2) यह कहना परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा उल्लिखी ओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:-

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय, आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा दितीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती हैं। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिस्थितियों के ह्रास, अन्य बट्टा खाता, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं।

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

(4) 'उप-पैराग्राफ (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था, वाला देश मान सकते हैं जिसे उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों सहित संबद्ध मानदण्डों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी सरकारी दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा किसी ऐसे देश जो 'विश्व व्यापार संगठन' का सदस्य है, ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है अथवा ऐसा मानने के लिए निर्धारित किया है।'

23. यह नोट किया गया है कि चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने इस संबंध में कोई उत्तर नहीं दिया है और बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के विषय में कोई दावा नहीं किया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नहीं है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार कार्रवाई की है।

24. यह नोट किया गया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रथम दो विकल्प संभव नहीं हैं क्योंकि किसी भी निर्यातक/आयातक ने जांच में सहयोग नहीं किया है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में, कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। यह नोट किया गया है कि भारत को दी जाने वाली किसी तीसरे देश की कीमत पर भी विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि निर्यातक देश में उत्पाद की उत्पादन लागत की अनुपस्थिति में व्यापार के सामान्य क्रम को अपनाया नहीं जा सकता जिसमें लाभप्रद बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है। चूंकि चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निवेदन प्रस्तुत नहीं किए हैं इसलिए सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। अतः प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण, संबद्ध वस्तुओं की भारत में देय कीमत के आधार पर किया है जिसे सीमाशुल्क तथा लाभ जैसे संभावित अंतरों हेतु उचित रूप से समायोजित किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कच्ची सामग्री की कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लिया गया है तथा घरेलू उद्योग के सबसे प्रभावी नियंत्रणों के खपत संबंधी नियमों पर घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार से असहयोग को ध्यान में रखते हुए विचार किया गया था। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य 49.10 अम.डा./000'... नग बनता है।

निर्यात कीमत

25. निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रस्तुत सौदेवार आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। आयात आंकड़ों की जांच करने पर यह पाया गया कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रस्तुत सौदेवार आंकड़ों में अन्य उत्पादों से संबंधित आंकड़े भी शामिल थे। अतः आयात आंकड़ों को जांचाधीन उत्पाद हेतु अलग करके उनका विश्लेषण किया गया। डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों के अनुसार चीन ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के 1483 हजार नगों का निर्यात किया है। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु चीन के निर्यातकों/उत्पादकों से किसी उत्तर तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से किसी अन्य सूचना के अभाव में, उपलब्ध तथ्यों के अनुसार समायोजनों पर विचार किया गया था। चीन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु किया गया कारखाना द्वारा निर्यात निर्धारण 29.59 अम.डा./000'.... नग था।

पाटन मार्जिन

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत दोनों, व्यापार के समान स्तर पर होने चाहिए। ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का मूल्यांकन निम्नानुसार किया है:-

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (.....अम.डा./000'..... न ग)	निर्यात कीमत (.....अम.डा./000'..... नग)	निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में पाटन मार्जिन
चीन जन नग के सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक	49.10	29.591	65.93

पाटन के जारी रहने या इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

27. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटन की क्षतिपूर्ति के लिए शुल्क को लागू रखना आवश्यक है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित मापदंडों पर विचार किया है :

- मूल जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन
- वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन
- चीन में अधिशेष क्षमता
- पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में चीन से निर्यात के लिए संबद्ध वस्तु की संभावित उपलब्धता

28. इन कारकों की जांच करने पर यह नोट किया गया है कि :

- (क) मूल जांच में पाटन मार्जिन 693% था, जो काफी अधिक था।
 (ख) जांच के दौरान घरेलू पाटन मार्जिन 65.93% निर्धारित किया गया है, यह भी काफी अधिक है।
 (ग) चीन की निर्यात कीमत न केवल सामान्य मूल्य से कम है बल्कि उसका पहुँच मूल्य भारत में बिक्री कीमत से तथा जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से भी कम है।
 (घ) घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन में संबद्ध बैटरियों समेत विभिन्न किस्म की बैटरियों के लागभग 2000 संभावित उत्पादक हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि इस उत्पाद की प्रकृति ऐसी है कि कोई भी उत्पादक अत्यावधि में क्षमता बढ़ा सकता है और संबद्ध वस्तु के उत्पादन में होने वाला निवेश अधिक नहीं है। संबद्ध वस्तु के चीनी उत्पादकों की वेबसाइटों से उत्पादन और बिक्री के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर यह नोट किया जाता है कि चीन के उत्पादकों के पास निर्यात हेतु संभावना तथा अधिशेष उपलब्ध है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर यह भी नोट किया जाता है कि चीन के 8 उत्पादकों के पास 6 बिलियन नग बैटरियों के उत्पादन की क्षमता थी जो निर्यात मात्रा का औसतन 65% है।

29. उपर्युक्त के मद्देनजर यह नोट किया जाता है कि इस निष्कर्ष पर पहुँचना कठिन होगा कि यदि शुल्क हटाया जाता है तो चीन जन. गण. से भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर निर्यातों के जारी रहने की संभावना नहीं होगी।

छ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण एवं जांच की पद्धति

30. यह नोट किया जाता है कि निर्णयक समीक्षा में निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को जारी क्षति और इसके बाद घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने और इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का निर्धारण करना होता है। इस प्रकार, प्राधिकारी ने जारी क्षति और इसके बाद घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने और इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच की है।

छ.1. क्षति का जारी रहना

छ.2. घरेलू उद्योग के विचार

31. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि

क. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद से घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है।

ख. पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के बाद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार से यह सिद्ध होता है कि मूल जांच के समय घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण चीन से इस उत्पाद का पाटन है।

ग. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, लगाई गई पूँजी पर आय, नकद लाभ, संवृद्धि, बाजार हिस्से, रोजगार, मजदूरी, उत्पादकता आदि की दृष्टि से सुधार हुआ है।

घ. पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में कुछ सीमा तक गिरावट आई है, जिसका प्रत्यक्ष कारण तीसरे देशों के जरिए किए जा रहे चीन के आयात हैं।

ड. यदि शुल्क हटाया जाता है तो आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि होगी और इसलिए पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की संभावना से भारी कीमत कटौती होगी। यह आयात ऐसी कीमत पर होंगे जिससे घरेलू कीमतों पर अत्यधिक हासकारी और न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और इससे आयातों की मांग और बढ़ने की संभावना है जैसा कि वर्ष 2001-02 से जांच अवधि तक की आयातों की प्रवृत्ति से देखा जा सकता है। यदि शुल्क हटाया जाता है तो आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से भी कम रहेगी। घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटों, ऋणात्मक नकदी प्रवाह और लगाई गई पूँजी पर ऋणात्मक आय की स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

छ.३. प्राधिकारी द्वारा जांच

32. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के संबंध में दिए गए तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी ने शुल्क को हटाए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि निश्चयात्मक शुल्क मूल रूप से संबद्ध देश से संबद्ध वरस्तु के सभी आयातों पर संदर्भ कीमत आधार पर लगाया गया था। यह भी नोट किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा ७क(5) के अनुसार निर्णायक समीक्षा शुरू की गई थी जिसमें प्राधिकारी द्वारा इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या शुल्क को अगले पाँच वर्ष की अवधि के लिए लागू रखना आवश्यक है और पाटन और क्षति के जारी रहने या इसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का स्तर एवं मात्रा की जांच करने के लिए तथा जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना तथा तर्कों के आधार पर शुल्क को हटाए जाने की जांच करनी है।

33. जांच की अवधि में वर्तमान क्षति का आकलन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभावों की जांच की है। पाटित मार्जिन संबद्ध देश से निर्धारित किया गया है। संबद्ध देश से हुए समस्त आयातों को क्षति एवं कारण निर्धारण विश्लेषण के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है तथा शुल्क हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में किए गए अनुरोधों की जांच की है।

माँग और बाजार हिस्से का आकलन

34. इस उत्पाद की माँग का आकलन भारतीय उत्पादकों की बिक्रियों तथा उत्पाद के ज्ञात आयातों पर विचार करते हुए किया गया है तथा इस प्रकार आकलित माँग को निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है:-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिक)
घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ	000' नग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	122	113	144
घरेलू उद्योग का उत्पादन	000' नग	728120	919829	857747	1072829
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	126	118	147
कुल आयात	000' नग	3139	80	1349	5506
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	3	43	175
चीन	000' नग	3029	76	435	989

सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	3	14	33
अन्य देश	000' नग	10	1	900	4485
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	12	9050	45093
अन्य उत्पादकों की बिक्रियाँ	000' नग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	100	102	115
असंगठित क्षेत्र	000' नग	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	100	91	119
माँग	000' नग	877352	1029954	964724	1214985
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	117	110	138

35. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में एक सकारात्मक रूख प्रदर्शित हुआ है और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री एवं उत्पादन दोनों में सुधार हुआ है।

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

36. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश तथा अन्य देशों से हुए आयातों की मात्रा निम्नांकित तालिका में दर्शाई गई है :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिक)
चीन	000' नग	3029	76	435	989
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	3	14	33
अन्य देश	000' नग	10	1	900	4485
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	12	9050	45093
आयात	000' नग	3139	80	1349	5506
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	2.54	42.97	175
आयातों में बाजार हिस्सा	%				
चीन	%	96.50	95.35	32.21	17.95
अन्य देश	%	0.32	1.51	66.72	81.45

37. यह नोट किया जाता है कि चीन से पाटित आयातों में जांच अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है जबकि अन्य देशों से उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में संबद्ध आयातों के हिस्से में कमी आई है, जबकि अन्य देशों के हिस्से में काफी वृद्धि हुई है। चीन के आयातों में गिरावट के परिणामस्वरूप कुल माँग में चीन के आयातों के हिस्से में भी कमी आई है और इसी अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि तीसरे देशों से कोई आयात नहीं हुए हैं बल्कि ये चीन के मूल के आयात हैं लेकिन उनके दावे को उचित ठहराने हेतु साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए थे; इसलिए प्राधिकारी घरेलू उद्योग के दावे पर विचार करना उचित नहीं समझते हैं।

कीमत संबंधी प्रभाव

38. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध II(ii) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

‘ नियम 18 के उप नियम (2) में यथा संदर्भित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में भारी मात्रा में कमी करना है या कीमतों में उस वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा उच्च स्तर तक बढ़ गई होती।’

39. निर्णायक समीक्षा जांच में यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटिट आयातों से पर्याप्त कीमत प्रभाव पड़ रहा है अथवा क्या पाटनरोधी शुल्क के प्रतिसंहरण के मामले में प्रतिकूल कीमत प्रभाव की संभावना है। जांच अवधि के दौरानप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और आयातों का पहुँच मूल्य नीचे दर्शाया गया है :-

	इकाई	
घरेलू उग की निवल बिक्री वसूली	रु./पीसी	2.79
संबद्ध वस्तु के बिना पहुँच मूल्य	रु./पीसी	1.57
कीमत कटौती की राशि		1.22
कीमत कटौती %	%	44

बिक्री कीमत, कर एवं शुल्क छोड़कर बट्टा, छूट और भाड़ा तथा परिवहन पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की गणना की गई है। निवल बिक्री वसूली के लिए घरेलू उद्योग की समूची बिक्री मात्रा पर विचार किया गया है और आयातों की पहुँच कीमत का निर्धारण 1% सुपुर्दगी प्रभाव तथा लागू मूल सीमाशुल्क के साथ भारित औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। जांचाधीन अवधि के दौरान पाटिट आयातों की भारित औसत पहुँच और घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के बीच में संबद्ध वस्तु की तुलना की गई थी। यह पाया गया है कि जांच अवधि के दौरान चीन से हुए आयातों की पहुँच कीमत संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से कम थी और घरेलू उद्योग की घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है। कीमत कटौती का स्तर कीमत कटौती की रेंज 40-44% में पाया गया था।

40. घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के निर्धारण की तुलना में आयातों की पहुँच कीमत के साथ की गई थी ताकि पाटनरोधी शुल्क के प्रतिसंरण के मामले में कम कीमत पर बिक्री की सीमा का निर्धारण किया जा सके। जांच अवधि के दौरान उपयुक्त रूप से उत्पाद के लिए उत्पादन लागत, वास्तविक क्षमता उपयोगिता और लगाई गई पूंजी पर उचित लाभ देते हुए घरेलू उत्पादकों के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन किया गया है। आंकड़ों के विश्लेषण दर्शाते हैं कि चीन से संबद्ध वस्तु की भारित औसत पहुँच कीमत जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत से कम है और यह कि कीमत कटौती 50-6% की रेंज में पाई गई है।

	इकाई	
क्षति रहित कीम	रु./पीसी	2.50
आयातों की पहुँच कीमत	रु./पीसी	1.57
कम कीमत पर बिक्री राशि	रु./पीसी	1.22
कम कीमत पर बिक्री %	%	53

घरेलू उद्योग से संबद्ध आर्थिक मानदण्ड

41. नियमों के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति निर्धारण में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यात्मक जांच शामिल होगी। आगे नियमों के अनुबंध II(i)(iv) में विभिन्न कारकों और उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों का प्रावधान है जिसमें बिक्रियों, लाभों, निर्गत बाजार हिस्सा, उत्पादकता में वास्तविक एवं संभाव्य कमी, निवेश पर प्राप्ति या क्षमता का उपयोग; घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, पाटन मार्जिन की सात्रा; नकद प्रदाह सूचियों पर वास्तविक एवं संभाव्य नकारात्मक प्रभाव, रोजगार मजदूरी, वृद्धि पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता शामिल हैं।

क्षमता और उत्पादन

42. क्षति अवधि के दौरान वास्तविक क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री सात्रा के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति निम्नानुसार दी गई है :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग की क्षमता	000;	868000	868000	1022000	1063833
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	100	118	123
घरेलू उद्योग का उत्पादन	000	728120	919829	857747	1072897
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	126	118	147
घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग	%	84	106	84	101
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	126	90	113
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	000	****	****	****	****
सूचीकृत	Trend	100	122	113	144

43. यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में सकारात्मक नृद्धि देखी गई है। घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 2000-2001 के दौरान 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 147 हो गया है जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्रियां 100 से बढ़कर 144 तक पहुँच गई हैं। परिणामतः क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोगिता में भी सुधार आया है।

उत्पादकता

44. घरेलू उद्योग की उत्पादकता नीचे सारणी में दी गई है :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सं.	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	119	105	154

45. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि के दौरानप सुधार हुआ है जो वर्ष 2000-2001 के दौरान 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 154 हो गई है।

बिक्रियां

46. घरेलू उद्योग की चालू बिक्रियां निम्नानुसार रही हैं :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	000' नग	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	122	113	144
संबद्ध देश से आयेंत	000' नग	3029	76	435	989
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	3	14	33

समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध देश से आयातों में कमी आई है जो वर्ष 2001-2002 में 100 से घटकर जांच अवधि के दौरानप 33 रह गए।

लाभ, निवेश पर प्राप्ति और नकद प्रवाह

क्षति अवधि के दौरान लाभ, निवेश पर प्राप्ति और नकद प्रवाह के संबद्ध में घरेलू उद्योग के दर्जे की जांच की गई थी और उसकी स्थिति निम्नानुसार पाई गई थी :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ पूर्व कर	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	230	204	158
ब्याज और कर से पहले लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	170	149	129
लगाई गई पूंजी पर प्राप्ति	%	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	167	120	102
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	174	157	120
निवल बिक्री लाभ	प्रति नग	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	96	94	85
बिक्री कीमत	प्रति नग	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	89	87	83
लाभ/हानि	प्रति नग	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	187	180	110

यह नोट किया गया है कि समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभों में वृद्धि हुई है, तथापि, अन्य देशों से हुए आयातों में धीरे-धीरे हुई वृद्धि से घरेलू उद्योग के लाभों पर प्रभाव पड़ना शुरू हो गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि दौरानप पहले वर्षों की तुलना में घरेलू उद्योग की लाभप्रदत्ता, निवेश पर प्राप्ति और नकद लाभों में आई मासूली कमी अन्य देशों से हुए आयातों में वृद्धि के कारण हो सकती है।

यह नोट किया गया है कि समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के प्रति इकाई लाभ सकारात्मक रूख को भी दर्शाता है तथापि, यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान पिछली अवधि की तुलना में प्रति इकाई लाभ 70% तक घटे हैं।

मांग में बाजार हिस्सा

48. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने देश में उत्पाद की मांग को देखते हुए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वास्तविक एवं संभावित परिवर्तनों की जांच की है।

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वास्तविकीकृत)
माँग के अनुसार बाजार शेयर					
घरेलू उद्योग	%	78.81	82.24	81.13	82.09
अन्य उत्पादक	%	14.96	12.74	13.85	12.42
गैस-प्रबंधक उत्पादक क्षेत्र	%	5.88	5.01	4.88	5.04
आयात	%				
संबद्ध देश	%	0.35	0.01	0.05	0.08
अन्य देश	%	0.00	0.00	0.09	0.37

यह नोट किया गया है कि समूची जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि वर्ष 2001-2002 के दौरान पाटित आयातों का बाजार हिस्सा घटकर जांच अवधि के दौरान 0.08% रह गया और वर्ष 2001-2002 के दौरान अन्य देशों से आयातों का बाजार हिस्सा 0.00% से बढ़कर 0.37 हो गया।

रोजगार एवं मजदूरी

49. यह नोट किया गया है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के रोजगार स्तरों पर व्यापक प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है चूंकि घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और उत्पादकता में सुधार हुआ है। इसके बावजूद इन मानदण्डों की जांच की गई थी और रोजगार स्तरों की स्थिति और मजदूरी निम्ननुसार रही है :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वास्तविकीकृत)
रोजगार	सं.	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	106	113	96
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीकृत	प्रवृत्ति	100	108	102	119

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार स्तरों में कमी देखी गई है लेकिन इस संदर्भ में कोई पर्याप्त तर्क नहीं दिए गए थे। मजदूरी में कोई कमी नहीं आई है बल्कि अवधि के दौरान इसमें वृद्धि हुई है जो मजदूरी में वेतन वृद्धि को दर्शाती है।

कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री

50. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के महेनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कोई उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव रूपरूप कीमतों उल्लेखनीय स्तर तक अन्यथा मंद हुई है अथवा इससे कीमतों में वृद्धि रुकी है जो कि अन्यथा एक उल्लेखनीय स्तर पर पहुँच गई होती।

51. एक निर्णायक समीक्षा जांच में यह जांच किया जाना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत प्रभाव दृष्टि गोचर हुए हैं अथवा क्या पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने की स्थिति में प्रतिकूल कीमत प्रभाव की कोई संभावना है। यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से सूचित संबद्ध वस्तु की आयात कीमत, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित निवल बिक्री वसूली की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कमतर थी। यह पाया गया था कि आयातों के पहुँच मूल्य से घरेलू बिक्री कीमत में पर्याप्ततः कटौती हो रही थी तथा यह 40 से 44% के बीच पाई गई थी।

	इकाई	
घरेलू उद्योग की निवल घरेलू वसूली	रु./नग	2.79
संबद्ध वस्तु को छोड़कर पहुँच मूल्य	रु./नग	1.57
कीमत कटौती की राशि		1.22
कीमत कटौती %	%	44

52. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली कर एवं शुल्क, छूट, बट्टा तथा भाड़ा एवं परिवहन लागत को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग की समूची बिक्री मात्रा पर इस प्रयोजनार्थ विचार किया गया है। आयातों का पहुँच मूल्य 1% ततराई शुल्क तथा लागू मूल सीमाशुल्क के साथ भारित औसत सीआईएफ कीमत पर विचार करके निर्धारित किया गया है। निवल बिक्री वसूली तथा आयातों के पहुँच मूल्य के बीच तुलना की गई है। कम कीमत पर बिक्री के दायरे को निर्धारित करने के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया गया है तथा इसकी आयातों के पहुँच मूल्य से तुलना की गई है। यह देखा गया था कि चीन की संबद्ध वस्तुओं का भारित औसत पहुँच मूल्य जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित गैर-क्षतिरहित कीमत की तुलना में कम है तथा यह 50 से 56% के बीच था।

	इकाई	
क्षति रहित कीमत	रु./नग	2.50
आयातों का पहुँच मूल्य	रु./नग	1.57
कम कीमत पर बिक्री की राशि	रु./नग	1.22
कम कीमत पर बिक्री %	%	53

53. क्षति रहित कीमत, जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की लागत पर वास्तविक क्षमता उपयोग तथा लगाई गई पूँजी पर तर्कसंगत लाभ प्रदान कर उपयुक्त रूप से विचार करके घरेलू उद्योग के लिए आकलित की गई है। प्राधिकारी विचार करते हैं कि इस प्रकार निर्धारित क्षतिरहित कीमत, समग्रतः घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का अब प्रतिनिधित्व करती है।

माल सूची:

54. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची की जांच की है जो निम्नांकित तालिका में दी गई है :-

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (आर्थिकीकृत)
मालसूची	000' नग	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	97	93	116
विक्री के % के रूप में माल सूची	%	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	79	81	81

55. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की माल सूची में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है किन्तु विक्री के प्रतिशत के रूप में इसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है।

वृद्धि

56. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदण्डों की जांच करने पर यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के विभिन्न मात्रात्मक मानदण्डों ने क्षति अवधि के दौरान धनात्मक प्रवृत्ति दर्शाई है। आगे यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने समूची जांच अवधि के दौरान लाभों, नकद प्रवाह तथा लगाई गई पूँजी पर प्रतिफल के संबंध में अपने निष्पादन में सुधार किया है।

पाटन की मात्रा

57. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान मौजूदा पाटन मार्जिन न्यूनतम निर्धारण हेतु विहित सीमा से अधिक है तथा मूल जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन भी उल्लेखनीय था।

पूँजी उगाहने तथा निवेश करने की क्षमता

58. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद घरेलू उद्योग के प्रचालन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। चूंकि कम्पनी की लाभप्रदता में जांच अवधि के दौरान गिरावट के पश्चात्, क्षति अवधि के दौरान सुधार हुआ है, इसलिए घरेलू उद्योग पूँजी उगाहने तथा निवेश करने की स्थिति में पाया गया है।

क्षति तथा क्षति मार्जिन की मात्रा

59. घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत की क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई है। भारित औसंत क्षति मार्जिन पर्याप्त पाया गया है।

	इकाई	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
क्षति रहित कीमत	प्रति नग	2.50
पहुँच मूल्य	प्रति नग	1.57
पाटन मार्जिन	प्रति नग	0.93

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

60. लागत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो तथा घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा की पाटित आयातों से इतर कारकों जो घरेलू बाजार की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, का विश्लेषण करने के लिए जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है। जिसके फलस्वरूप भारतीय बाजार में गहन कीमत कटौती हो रही है। यह भी नोट किया जाता है कि इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य प्रतिस्थापन नहीं है तथा घरेलू कीमतें, आयातित माल की पहुँच मूल्य के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं तथा कीमतें पाटित आयातों के कारण प्रभावित हो सकती हैं। यह भी पाया गया है कि घरेलू बाजार में उत्पाद की स्वस्थ मांग है।

अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

61. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों के आधार पर, प्राधिकारी ने संबद्ध देश से मौजूदा क्षति तथा पाटित आयातों के बीच मौजूदा क्षति तथा कारणात्मक संबंध तथा साथ साथ ही साथ क्षति की आशंका की साथ-साथ जांच की है। प्राधिकारी ने जांच की कि क्या अन्य सूचीबद्ध ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा होने की संभावना है।

अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

62. विभिन्न देशों से आयात निम्नानुसार रहे हैं :-

000, नग	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देश	3029	76	435	989
वे देश जिन पर पा.रो.शु. नहीं लगा हैं	10	1	900	4485
कुल आयात	3039	77	1335	5506
आयातों में हिस्सा	%			
संबद्ध देश	99.67	98.45	32.56	18.06
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगा हैं।	0.33	1.55	67.44	81.94

जांच अवधि के दौरान, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात के अलावा, अनेक दूसरे देशों से भी आयात किए गए हैं। अन्य ज्ञातों से कुल आयात वर्ष 2001-2002 के दौरान 3029000 नगों से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 5506000 नग हो गए हैं। जांच करने पर, आगे यह नोट किया गया है कि ऐसे ज्ञात जिन पर पाटनशेषी शुल्क नहीं लगा है, से भारित औसत आयात कीमत, संबद्ध देश से पाटन की तुलना में उच्चतर थी। इसलिए, यह पाया गया है कि अन्य ज्ञातों से आयात, मात्रा तथा मूल्य दोनों रूपों में, घरेलू उद्योग पर उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव डालता प्रतीत नहीं होता।

मांग में कमी और/अथवा खपत के ढंग में परिवर्तन

000, नग	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
मांग	877352	1029954	964724	1214985
सूचीबद्ध	100	117	110	138

विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू मांग 2001-2002 के दौरान 877352000 नगों से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 1214985000 नग हो गई। यह नोट किया जाता है कि समग्र जांच अवधि के दौरान मांग में स्थायित्व के साथ वृद्धि हुई। अतः मांग से संभावित कमी ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग की क्षति हुई हो।

व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

63. संबद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं तथा घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं। घरेलू उद्योग, देश में कास्टिक् सोडा के 5 उत्पादकों में से संबद्ध वस्तुओं के 3 प्रमुख उत्पादकों से मिलकर बनता है। भारतीय उत्पादक एक दूसरे के साथ तथा साथ ही संबद्ध वस्तुओं के आयातों की पहुँच कीमत के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। घरेलू उद्योग को क्षति की वर्तमान स्थिति, विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं अथवा अनुचित प्रतिस्पर्धा पर आरोपित नहीं की जा सकती।

प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन

64. प्रौद्योगिकी अथवा प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दे किसी भी पक्षकार द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति के संभावित कारण के रूप में नहीं उठाए गए हैं। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की अत्यं मात्रा का निर्यात किया है जो कम्पनी के प्रचालनों को ठोस रूप में प्रभावित नहीं करता। अतः घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन, घरेलू उद्योग की समग्र विक्री के साथ तुलना किए जाने की स्थिति में गौण है, इसलिए निर्यात कारोबार घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित नहीं करता तथा यह क्षति का कारण नहीं हो सकता।

	इकाई	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
निर्यात	000, नग	33242	41307	43307	39578
सूचीबद्ध		100	124	130	119

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

65. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान श्रमिकों द्वारा उत्पादन एवं दैनिक उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि देखी गई है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति की समस्त अवधि में उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि के साथ-साथ उत्पादकता में भी वृद्धि देखी गई है।

66. यह नोट किया जाता है कि क्षति की समस्त अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में सुधार हुआ है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य निवल बिक्री प्राप्तियों से कम था और इस प्रकार घरेलू बिक्री कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई। यदि निर्यातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती होती है, तो इसकी मात्रा तथा/अथवा कीमत प्रभाव प्रतिकूल रहने की संभावना होगी और ऐसा पाटित कीमतों पर होगा।

पाटन की निरन्तरता अथवा पुनरावृत्ति की सम्भावना

67. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि निर्णायक समीक्षा के तहत यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर देने से घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होते रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है। घरेलू उद्योग का यह तर्क है कि यदि सूचीबद्ध क्षति मानदण्डों से क्षति प्रदर्शित नहीं होती, तो इससे यही स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। तथापि इससे यह पुष्टि नहीं होती कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होते रहने की संभावना नहीं है। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि संबद्ध वस्तुओं का भारतीय बाजार में प्रवेश पाटित कीमतों पर लगातार हो रहा है अथवा पाटनरोधी शुल्कों के हटाए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाटित कीमतों पर इनका निर्यात किए जाने की संभावना है। यह जांच करना जरूरी है कि क्या शुल्क हटा लिए जाने पर ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होते रहने की संभावना है। यह पहले ही स्थापित किया जा चुका है कि संबद्ध देशों से आयातों के वास्तविक पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित घरेलू विक्रय कीमत तथा क्षति रहित कीमत से कम थे। प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध ॥(vii) की शर्तों के अनुसार, जो निम्नलिखित हैं, वास्तविक क्षति के खतरे से संबंधित मानदण्डों पर विचार करते हुए इसकी निरन्तरता अथवा पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की गई:-

"वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण तथ्यों के आधार पर किया जाएगा और न केवल आरोप, कल्पना अथवा परोक्ष संभावना के आधार पर। परिस्थितियों में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली ऐसी किसी स्थिति का स्पष्ट तौर पर अनुमान लगाया जाना चाहिए और ऐसी स्थिति आसन्नवर्ती होनी चाहिए जिसमें पाटन से क्षति पहुँचेगी। वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में आकलन करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कारकों पर विचार करेगा:-

- (क) भारत में पाटित आयातों की अत्यधिक वृद्धि पर जो पर्याप्त रूप से बढ़े हुए आयातों की संभावना को दर्शाती हो;
- (ख) निर्यातक के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त क्षमता या उसकी क्षमता में आसन्नवर्ती

वृद्धि जो किन्हीं अतिरिक्त निर्यातों को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पर्याप्त रूप से बढ़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना को प्रदर्शित करती हो ।

- (ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर किए जा रहे हैं जिनसे घरेलू कीमतों पर पर्याप्त न्यूनकारी या हासकारी प्रभाव पड़ेगा तथा इससे आगे और आयातों में मांग में वृद्धि की संभावना बजेगी; और
- (घ) वस्तुओं के स्टॉक की जांच की जा रही है ।

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि यह सही है कि क्षति के खतरे की जांच के लिए इन मानदण्डों को सूचीबद्ध किया गया है, तथापि यह आकलन करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होते रहने की संभावना है, इनका अनुप्रयोग आवश्यक परिवर्तनों के आधार पर करना ही उपयोगी हो सकता है ।

69. यह नोट किया जाता है कि इस समीक्षा जांच में चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । घरेलू उद्योग ने चीन के उत्पादकों की क्षमता तथा बिक्री संबंधी जानकारी उनकी वेबसाइटों पर उपलब्ध सूचना के आधार पर प्रस्तुत की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि चीन में सबद्ध वस्तुओं की बेशी अप्रयुक्त क्षमता, उत्पादन तथा मांग से संबंधित सूचना चीन के निर्यातकों/उत्पादकों अथवा चीन सरकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है, अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध सूचना का प्रयोग किया है । हितबद्ध पक्षों से किसी भी उत्तर तथा टिप्पणी एवं चीन के निर्यातकों के सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना तथा वेबसाइटों पर उपलब्ध सूचना का प्रयोग सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के रूप में किया है ।

70. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि चीन के निर्यातकों द्वारा पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भारतीय बाजार में तीसरे देशों के जरिए किया जाता रहा है और पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने से प्रत्यक्ष पोतलदान तथा आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी । घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क प्रस्तुत किया कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू तथा आयातित सामग्री के बीच कीमत का अंतर इतना भारी होगा कि यह मानने का कोई कारण नहीं कि जब विदेशी उत्पादकों के पास निपटान योग्य क्षमता मुक्त रूप से उपलब्ध है और कम समय में ही क्षमता निर्मित की जा सकती है, तो ऐसी स्थिति में चीन संबद्ध वस्तुओं को भारी मात्रा में भारतीय बाजार में नहीं भेजेगा ।

71. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन तथा बिक्री के बारे में उपलब्ध कराई गई जानकारी के संदर्भ में इन तर्कों एवं अनुरोधों की जांच की गई । यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटन के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए शुल्क को लगाए रखना आवश्यक है; प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार किया गया:-

- मूल जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन,
- वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन,
- पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने की स्थिति में चीन से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की संभावना ।

72. इन कारकों की जांच से यह नोट किया जाता है कि:-

- (अ.) मूल जांच में पाटन मार्जिन 693 % थी, जो उल्लेखनीय थी।
- (ब.) पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने की स्थिति में वर्तमान जांच में निर्धारित संभावित पाटन मार्जिन 65.93 है और यह भी उल्लेखनीय है।
- (छ.) चीन की संभावित निर्यात कीमत न केवल सामान्य मूल्य से बहुत कम है, अपितु यह भारत में प्रचलित विक्रय कीमतों और घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित क्षति रहित कीमत से भी कम है।
- (ज.) चूंकि किसी भी उत्पादक तथा निर्यातक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया, यह प्रदर्शित नहीं किया जा सका कि पाटनरोधी शुल्क हटा लेने से पाटन की पुनरावृत्ति तथा घरेलू उद्योग को क्षति नहीं होगी और पाटन के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए शुल्क को लगाए रखना जरूरी है।
- (झ.) चीन में संबद्ध वर्तुओं के उत्पादकों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा दर्शाई गई देशसाइटें निर्यात की भारी संभावना प्रदर्शित करती हैं। यह देखा गया कि चीन के 8 उत्पादकों की उत्पादन क्षमता 6 बिलियन बैटरियां हैं, जिनकी औसत निर्यात संभावना 65 प्रतिशत है। चूंकि इस जांच में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने सहयोग नहीं किया और निर्यातक देश के उत्पादन, बिक्री, मांग तथा अधिशेष का ब्यौरा प्रदान नहीं किया, तथापि घरेलू उद्योग द्वारा द्वितीयक स्रोत अर्थात् चाइनीज बैटरीज न्यूज के माध्यम से सूचना उपलब्ध कराई गई। प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 1999 में 243535250,000 नग संबद्ध वर्तुओं का उत्पादन किया गया और उक्त अवधि में 10.47 बिलियन नग का निर्यात किया गया। वर्ष 2000 की सूचना पर आधारित यह संक्षिप्त जानकारी दर्शाती है कि चीन द्वारा निर्यात की भारी संभावना है और पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने की स्थिति में वह पाटित कीमतों पर संबद्ध वर्तुओं का निर्यात करेगा।
- (ग) जाच यह दर्शाती है कि इस उत्पाद का स्वरूप है कि कोई भी उत्पादक थोड़ी सी अवधि में ही क्षमता में वृद्धि कर सकता है, क्योंकि संबद्ध वर्तुओं के उत्पादन के लिए अपेक्षित निवेश उल्लेखनीय नहीं है।
- (ट) चीन की आपूर्तियों और भारतीय आपूर्तियों के बीच कीमत का अंतर इतना उल्लेखनीय है कि पाटनरोधी शुल्क हटा लेने की स्थिति में भारी आयात होने की संभावना है।

73. यह नोट किया जाता है कि चीन के उत्पादकों/निर्यातकों ने सहयोग नहीं किया और उन्होंने यह साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया कि इन उपायों को वापस ले लिए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

ज. अंतिम जांच परिणाम

74. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदत्त सूचना तथा किए गए प्रस्तुतीकरण एवं हितबद्ध पक्षों के प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उपलब्ध तथ्यों अथवा उक्त जांच निष्कर्ष में अन्यथा दर्ज तथ्यों को दर्खते हुए और वर्तमान व संभावित पाटन एवं पाटन व क्षति की पुनरावृत्ति तथा उनके होते रहने की संभावना के विषयक आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:

- (i) ग्रेड-बर्तुएं भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रविष्ट हुई हैं और संबद्ध देश का पाटन मार्जिन उल्लेखनीय तथा न्यूनतम से अधिक है। यदि वर्तमान उपाय वापर ले लिए जाते हैं तो

पाटित वस्तुओं की भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रविष्ट होने की संभावना है। इस प्रकार यह पुष्टि नहीं की गई है कि शुल्क को जारी रखना पाटन के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए जरूरी नहीं हैं।

(ii) यद्यपि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग ने अपने कार्य निष्पादन में सुधार किया है, तथापि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति हो सकती है और घरेलू उद्योग को क्षति जारी रह सकती है।

75. इस निष्कर्ष पर पहुँचने पर कि पाटनरोधी शुल्क लगे रहने के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है और यदि शुल्क हटा लिया जाए तो संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन और क्षति जारी रहने अथवा इनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी का यह अभिमत है कि चीन जन गण से आयातों पर पाटनरोधी उपाय जारी रखना जरूरी है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखना आवश्यक समझते हैं और इसकी सिफारिश करते हैं।

76. घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने के उद्देश्य से प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखना जरूरी समझते हैं। प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क के रूप में पाटन की मार्जिन अथवा इससे कम के समतुल्य राशि[“] की संस्तुति करते हैं, जिसे यदि लगाया जाए तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो जाएगी। क्षति निर्धारण के उद्देश्य से आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग के भारित औसत क्षति रहित कीमत से की गई है।

77. तदनुसार, प्राधिकारी अध्याय 85 की अनुसूची I के सीमाशुल्क शीर्ष 850610 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्नानुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि तथा संबद्ध भू-भाग/देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 87 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों के प्रति मी.टन की पहुँच कीमत के अंतर के बराबर होगा।

क्र. सं.	उप-शीर्ष	मद का विवरण	विभिन्नता	उदाहरण का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अम. डा.)	माप. की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	<u>850610</u>	जिक कार्बन पेसिल बैटरीज, आर 8, ए ए यू एम 3, इत्यादि	पील	चीन	चीन	कोई	कोई	1000	अम. डा.	
		पेसिल बैटरीज, आर 8, ए ए यू एम 3, इत्यादि				उत्पादक	निर्यातक	1515	मर.	
2	<u>850610</u>	जिक कार्बन पेसिल बैटरीज, आर 8, ए ए यू एम 3, इत्यादि	चीन से इतर कोई देश	चीन	चीन	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1515	1000, नग.	अम. डा.
3	<u>850610</u>	जिक कार्बन पेसिल बैटरीज, आर 8, ए ए यू एम 3, इत्यादि	चीन	चीन से इतर कोई देश	चीन से इतर कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1515	1000, नग.	अम. डा.

78. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे।

79. प्राधिकारी इस अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी सार्वजनिक नोटिस के अनुसार यहां संस्तुत निश्चयात्मक पाटनरोधी उपाय जारी रखने, संशोधित करने अथवा उसे समाप्त करने की समय-समय पर समीक्षा करेंगे। ऐसी समीक्षा के किसी भी अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा कार्यवाही सामान्यतः नहीं की जाएगी, जब तक किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित अवधि में अनुरोध नहीं किया जाता।

80. इस आदेश के विरुद्ध अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथा संशोधित) के अनुसरण में सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष की जाएगी।

क्रिस्टी फेनन्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st January, 2007

FINAL FINDINGS

No. 53/1/2000-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. BACKGROUND

2. WHEREAS, having regard to above Rules the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated an antidumping investigation on 2nd Feb., 2006 into alleged dumping of Dry Cell Batteries originating in or exported from China PR and provisional antidumping duty was imposed on imports of Dry Cell Batteries from China PR, vide customs notification dated 6th Feb., 2001 on the basis of the preliminary findings of the Authority dated 24th Jan., 2001. The final findings of the Authority were notified, vide notification dated 13th July, 2001 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the subject goods, imported from China PR, vide notification dated 2nd Aug., 2001.

3. On the basis of a duly substantiated application filed by the Domestic Industry in terms of Section 9A(5) of the said Act, requesting for continuation of the duty for a period of another five years, the Designated Authority initiated a sunset review proceedings against the said measure vide notification dated 2nd Feb., 2006 to examine whether the expiry of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and/or injury. Investigation was carried out for the period starting from April 04 – Sept 2005 (POI), however, injury examination was conducted for a period from 2001-02 onwards including POI.

B. GENERAL DISCLOSURE

4. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received an application filed by the domestic industry, requesting initiation of sunset review investigation for review, continuation and enhancement of anti dumping duties concerning imports of Dry Cell Batteries (hereinafter referred as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).
- ii) The information provided by the applicant showed sufficient *prima facie* justification that there was a need for sunset review of anti dumping duties earlier imposed. On being satisfied, the Authority issued a public notice dated 2nd Feb., 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping sunset review investigation concerning imports of the subject goods classified under Chapter 85 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR.
- iii) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known producers and/or exporters in the subject country and gave them opportunity to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- iv) Requests were made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years.
- v) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers and/or exporters and the Embassy of China in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- vi) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the Government of China including known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4). None of the exporters/producers filed any questionnaire response.
- vii) The Authority provided opportunity to the industrial users of the product under consideration, and to the known representative consumer organizations, to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.
- viii) The Authority held a public hearing on 22nd August 2006 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally, which was attended only by the petitioner. No other interested party attended the oral hearing, except the domestic industry. The parties attending the public hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The interested parties were allowed to present rebuttal arguments on the views/information presented orally by other interested parties. Designated Authority has considered these written submissions received from petitioner. No other interested party has filed any written submission.
- ix) Arguments raised and information/evidence provided by various interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.

- x) The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by interested parties upon which these findings are based. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary. Additional/supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.
- xi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.
- xiv) Investigation was carried out for the period starting from April 04 to Sept 2005 and has been referred to as the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 2001-02, 2002-03, 2003-04, and 2004-05 including the POI.
- xv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.
- xvi) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings are now being disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in Final Findings.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

C.1 VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES

5. Domestic industry has submitted that the present review investigation is a sunset review investigation. The product involved in the original investigation

and in the present sunset review investigation is Dry Cell Batteries. The product under consideration in the present sunset review should remain the same as the original investigations, as the present investigations are only review investigations. It is further argued that Dry Batteries produced by the domestic industry and imported from China are one like product. Authority has held in other investigation that there is no necessity of reviewing the scope of product under consideration and like article in a review case. Such being the case, Indian Producers have submitted that the scope of the product under consideration and like article is not required to be examined at this stage.

C.2 VIEWS OF THE IMPORTERS, CONSUMERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

6. None of the other interested parties have filed any submissions on issue regarding product under consideration and like article.

C.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

7. The product under consideration in the present review investigation is "Dry Cell Batteries", also known as primary cells batteries, zinc carbon pencil batteries, R6, AA, UM3 batteries etc. classified under custom sub-heading 850610 of Schedule I under Chapter 85 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

8. Zinc Carbon pencil batteries technically and commercially known as "R6", "AA", "UM3" both in paper and metal (both heavy duty and super heavy duty) jacketed form are within the scope of investigation. Carbon Zinc batteries are produced for one time use and it includes Paper Clad, Metal & Plastic Clad (for heavy duty and super heavy-duty applications). The Paper Clad batteries have paper jacket whereas the Metal & Plastic Clad batteries have metal/plastic surface. There is no major difference in consumer perception regarding its use and all the above types can be and are being interchangeably used. Other types of batteries such as, alkaline batteries, rechargeable batteries etc are beyond the scope of the present investigation.

9. The Authority considered various relevant parameters such as physical & technical characteristics, production technology, manufacturing process, functions & uses, pricing, customer perception, etc. and notes that the goods manufactured by domestic industry are like article to the goods produced and/or exported from China. Both are technically and commercially substitutable to one another. None of the interested parties have brought any new facts/evidence in this regard. The Authority holds that subject goods produced by the domestic industry are like articles, as per Rule 2(d) of rules Supra, to the product under consideration.

D. DOMESTIC INDUSTRY

D.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

10. The present petition has been filed by the Association of subject goods in India. There are five producers of Dry Cell Battery in India in the organized sector and three of the domestic producers have filed the present petition through this Association. The three participating companies should be considered as "domestic industry" since the production of these three companies constitute a major proportion in Indian production.

D.2 VIEWS OF THE EXPORTER, IMPORTERS, CONSUMERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

11. None of the other interested parties have filed any submissions on issue regarding domestic industry.

D.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

12. The application for the sunset review was filed by the association on behalf of the domestic industry. It is noted that the subject goods are produced in India in the organized sector by the following companies -

1. Eveready Industries Limited
2. Nippo Batteries Company Ltd.
3. Panasonic Battery India Company Limited (Previously known as Matsushita Lakhnpal Battery India Ltd.)
4. BPL Soft Energy Systems Limited
5. Jeep Batteries (India) Pvt. Ltd

It is noted that subsequent to the initiation of sunset review investigations, information with regard to costing and injury information was called from Indian Producers in the organized sector in view of the Supreme Court Judgement in the matter of Reliance Industries Ltd vs Designated Authority and others. While Eveready, Nippo and Panasonic Battery provided full information with regard to costing and injury information, no information was received from BPL Soft Energy and Jeep Batteries. Euro Solo Energy Systems Ltd. informed that the company has commenced commercial production of the product under consideration w.e.f. June, 2006 i.e. post investigation period. The Authority further reminded the petitioner association to provide information relevant to determination of injury, non injurious price and injury margin with regard to BPL Soft Energy and Jeep Batteries, however, no information was made available by BPL Soft Energy and Jeep Batteries with regard to injury, non injurious price and injury margin. Efforts were also made to collate information with regard to cost of production and non injurious price for BPL Soft Energy and Jeep Batteries from cost audit reports. The Authority was, however, informed that cost audit in respect of BPL Soft Energy and Jeep was not under the notified regulation of Govt. of India and therefore, cost audit reports were not available for the relevant period.

13. As per claims of the Association, a number of producers in the unorganized sector also produce the subject goods and the individual size of these producers is too small. Production of these produces in unorganized sector was estimated by the domestic industry in the region of 5% of the production in the organized sector. The Authority notes that none of the producers in the unorganized sector have responded to the Authority and no published information is available with regard to production by these entities. It is also not known whether these entities undertake complete production activities, or are producing the product from semi-finished stage. Investigations at the premises of the domestic industry has shown that production of pre-mix powder is the basic manufacturing activity and once the pre-mix powder is prepared, production of the subject goods is just an assembly like operation. Therefore, it could not be established that these producers in the unorganized sector should indeed be considered as "producers" for the purpose of the

present investigations. However, the Authority notes that regardless of whether or not their production is considered, production by the participating companies is significantly higher than 50% and it account about 85 % of Indian production, even if production by these unorganized sector units is considered as eligible production.

14. Having regard to the investigation conducted and evidence on record, the Authority notes that production by three participating companies constitutes a major proportion of Indian production and these participating companies constitute "domestic industry" within the meaning of the Rules.

E OTHER ISSUES

E.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

15. The Domestic industry has submitted that

- a. Domestic industry has submitted that imports of 195 MT of pre-mix powder are sufficient to produce about 35 million during the investigation period. The price at which this pre-mix has been imported is a clear evidence of the likely prices of the product in the event of revocation of anti dumping duties.
- b. Domestic industry has further argued that the product continues to be exported to India, through third countries, such as Malaysia, Korea and other East Asian Countries, circumventing the existing anti-dumping duty and requested that the duties are required to be imposed on all imports of subject goods originated in China. The product continues to be sold at the same or similar old prices as was found at the time of original investigations. Indian Producers had earlier made repeated complaints to the concerned authorities about mis-declaration of subject goods. While such mis-declaration incidents regarding subject goods declined after repeated complaints of the Indian Producers, however, market witnessed increased incidence of imports through third countries and 55 million batteries have been reported from such third countries during the investigation period.

E.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

16. The argument raised by the domestic industry was examined and it is noted that the anti dumping duty has been imposed on imports of dry cell batteries and not against pre-mix powder. It is further noted that scope of the product under consideration can neither be extended to import of pre-mix powder nor the volume and value of imports of pre-mix powder can be used for the purpose of determination of dumping of subject goods from China.

17. As regards imports from third countries, Authority reiterates its established practice that the anti dumping duties are recommended on the product under consideration originating in the subject country, regardless of the country of export and in that situation even if the Chinese origin batteries are exported from third countries, the same will be subject to anti dumping duties levied on that product. As regards the possible circumvention of the product

raised by the domestic industry, it is noted that the aggrieved parties may raise their concern before appropriate Authority, since AD Rules does not cover circumvention proceedings in the course of anti dumping investigations.

F. DUMPING AND LIKELIHOOD OF CONTINUATION OF DUMPING

F 1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

18. The Domestic industry has submitted that

- The volume of imports declined with the imposition of anti dumping duties. The product continues to be exported to India through third countries, such as Malaysia, Korea and other East Asian Countries. Batteries of Brands such as Telesun, PowerBase, BravePower, Shaktiman, Royal, Max, Maxpower, Maxell, Sambatt etc can be easily seen in the major trading markets, i.e., Sadar Bazar, New Delhi, and Masjid Bunder and Crawford Market at Mumbai. The product continues to be sold at the same or similar prices as was found at the time of original investigation.
- Huge import of pre-mix powder has been reported from China with the sole purpose of which was production of the subject goods in India. Indian Producers could trace imports of at least 278 Mt. Pre-mix powder, which was sufficient to produce about 50 million subject batteries. The price at which this pre-mix has been imported is a clear evidence of the likely prices of the product in the event of revocation of anti dumping duties.
- There is sufficient reason to believe that the exporter would shift their exports to India should the present duties be revoked, considering the fact that the demand of the product in the subject country is significantly below the capacity created by the producers in their country as they are having huge unutilized capacities.
- In order to examine whether expiry of the duty will allow the exporters from these countries to export the subject good to India once again at dumped prices, the Designated Authority must examine whether exports from China to third countries are at dumping prices and how those export prices compare with (a) the import price from other sources in India; (b) selling price of the Indian Producers. Indian Producers submit that in a situation where exports to third countries are at dumping prices and (a) such export prices are comparable to the export price from other countries to India; and (b) landed price of imports considering such prices are significantly below the selling price of the Domestic Industry, it must be held that the producers in this country would resort to dumping the material in Indian market, should the present anti dumping duties be revoked.
- It is the practice of other investigating authorities to examine possibilities of dumping in respect of third country exports particularly when there have been no exports to domestic country in the proposed investigation period. However, even in a situation of continued exports to India at dumping prices, the Designated Authority should examine whether exports to third countries are at dumped prices. Should such exports be at dumped prices,

the Authorities have held that dumping would recur in the event of revocation of anti dumping duties. This may be seen in the light that dumping margin continues to be significant in case of Chinese exporters.

- There is significant export of subject product from China to world over. The web-based extensive search done by the petitioner on Chinese producer or supplier showed existence of more than 2000 potential suppliers of the product in China. The price at which AAA batteries are being imported from China is a good evidence of the price at which Chinese producers are likely to sell AA batteries to India in the event of revocation of anti dumping duty. AAA batteries are the miniature version of AA batteries. Although the material cost of AAA batteries is slightly lower compared to that of AA batteries, its manufacture involves assembly of critical miniature components and precision technology, the product is, therefore, priced at almost the same level as AA batteries.
- Mining of Zinc and its price movement is under control of Chinese Government. Further, Chinese Govt. is resorting to ad-hoc control over pricing of zinc by imposing export duties on zinc and as per Accession Treaty the Govt. of China has imposed export duty on this product. Cost on account of zinc represents the major share in total cost of production of Dry Cell Battery, therefore, any preferable or favorable pricing of Zinc would naturally result in unfair advantages to the Chinese producers, making it possible for them to dump the material in foreign markets.
- The anti-dumping duty earlier imposed by the Government of India against China is required to be continued further to address the likely injury to the Domestic Industry from likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

F.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

19. The Authority has noted the arguments made by the petitioner on the methodology and practices adopted by various Authorities in their Sunset Reviews and the relevant WTO jurisprudence on the subject. It also notes that in a sunset review investigation, the Authority is required to examine likelihood of continuation or recurrence of dumping in the event of withdrawal of anti dumping duty.

F.3 CONTINUATION OF DUMPING

20. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters/producers for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1)(c). The copy of the questionnaire was also sent to the Embassy of China. Neither the exporters/ producers from China nor the Chinese Government has filed any questionnaire response. In view of no cooperation from any of the exporters/producers from China the Designated Authority has proceeded on the basis of best information available on records under Rule 6(8) of the Rules, which provides that

"In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances".

NORMAL VALUE

21. In anti-dumping investigations, normal value shall be determined in accordance with the Rules which provides that :-

(c) "normal value", in relation to an article, means-

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

22. In anti dumping investigations concerning imports from non market economy countries, normal value is required to be determined in accordance with paragraphs 7 & 8 of the Annexure 1 of the AD Rules, which states as under:

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.
8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).
- (2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).
- (3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:
- (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and;
 - (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out

in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".

- (4) *Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti dumping investigations, by a country which is a member of the World Trade Organization."*

23. It is noted that none of the Chinese producers/exporters have responded in this matter and did not claim the market economy status. Under these circumstances, the Authority was not in a position to apply para 8 of Annexure 1 to the Rules and proceeded in accordance with para 7 of Annexure 1 to the Rules for determination of normal value.

24. It is noted that first two options for determination of normal value are not possible due to the fact that none of the exporters/importers cooperated in this investigation and did not file any information with regard to determination of normal value. It is noted that price from any third country to India can also not be considered, since in absence of cost of production of the product in the exporting country, the ordinary course of trade can not be done which is required to be carried for determination of normal value based on the profitable sales. Since none of the exporters / producers from China have filed the submissions for determination of normal value, the normal value for all exporters / producers has been constructed based on facts available as per Rule 6(8) of AD Rules. The Authority has, therefore, determined the normal value on the basis of price of the subject goods payable in India, duly adjusted for possible differences, such as customs duties and profit. For determination of normal value the raw material prices have been taken at the international level and the consumption norms of the most efficient constituents of the domestic industry was considered in view of non cooperation from any of the interested party except the domestic industry. The normal value so determined comes to US \$ **** /000 pieces.

EXPORT PRICE

25. The export price has been determined on the basis of transaction wise import statistics provided by DGCI&S. On examination of import data, it was found that the transaction wise data provided by the DGCI&S were having data pertaining to other products also. Therefore, import data was analyzed and segregated for the product under consideration. As per DGCI&S import statistics China has exported 1483 thousand pieces of subject goods during the POI. To arrive at the ex-factory export price, adjustments were considered as facts available, in the absence of any response from the exporters/producers from China and any information from other interested parties. The ex-factory export price was determined as US\$ ****/000 pieces for all exporters/producers from China.

DUMPING MARGIN.

26. The Authority notes that both the normal value and export price should be at the same level of trade. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority assessed the dumping margin as under:

Exporter/Producer	Normal Value (US\$/000'piece)	Export Price (US\$/000'piece)	Dumping margin as % of Export Price
All Other exporters/ producers China PR	****	****	65.93

LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING

27. In order to determine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, the Authority considered the following parameters:-

- Dumping margin determined in the original investigations,
- Dumping margin determined in the present investigations,
- Surplus capacities in China,
- Potential availability of the subject goods for export from China in event of revocation of anti dumping duty.

28. On examination of these factors it is noted that

- (a) The dumping margin in the original investigation was 693%, which was quite significant.
- (b) The current dumping margin during the investigation is determined 65.93%, which is also significant.
- (c) The export price from China is significantly below not only the normal value but the landed value is also below the selling prices in India and non injurious price determined for the domestic industry during the POI.
- (d) Domestic industry has submitted that there are about 2000 potential producers of various kinds of batteries in China, including the subject batteries. They have submitted that the nature of the product is such that any producer can enhance capacity in a short period and the investment involved in production of the subject goods is not significant. Based on the information filed by the domestic industry regarding the production and sales from the Web sites of Chinese producers of subject goods, it is noted that Chinese producers have potential and surplus available for exports. Based on the information provided by domestic industry, it is also noted that 8 Chinese producers were found to have production capacity of 6 billion pieces of batteries with average 65% export volume.

29. In view of the above, it is noted that it would be difficult to conclude that the exports would not likely to continue to enter the Indian market from China PR at dumped prices in event of revocation of the duty.

G. METHODOLOGY FOR DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY & CAUSAL LINK

30. It is noted that in a sunset review, the Designated Authority is required to determine the continued injury to the domestic industry and subsequently likelihood of continuance or recurrence of injury to the domestic industry in event of withdrawal of anti dumping duties. The Authority has thus examined continued injury and thereafter likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry.

G.1 CONTINUATION OF INJURY

G.2 VIEW OF THE DOMESTIC INDUSTRY

31. The Domestic industry has submitted that

- a. Performance of the domestic industry improved with the imposition of anti dumping duties.
- b. The improvement in performance of the domestic industry with the imposition of anti dumping duties establishes that the cause of injury to the domestic industry at the time of original investigations was dumping of the product from China.
- c. Performance of the domestic industry improved in terms of production, sales, capacity utilization, profits, return on capital employed, cash profits, growth, market share, employment, wages, productivity, etc.
- d. Performance of the domestic industry deteriorated somewhat during the investigation period as compared to previous period, which is directly attributable to Chinese imports from third countries.
- e. Once the duties are revoked, the volume of imports would increase substantially and possible revocation of anti dumping duty would therefore lead to significant price undercutting. The imports would enter at a price which would have significantly depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports, which is visible from the trends in imports from 2001-02 till investigation period. Should the duty be allowed to lapse, the landed price of imports would continue to be below the selling price of the domestic industry, but also the cost of production of the domestic industry. The domestic industry would be forced to suffer huge financial losses, negative cash flow and negative capital employed.

G.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

32. The Authority has taken note of arguments raised by interested parties with regard to the material injury to the domestic industry. The Authority has

examined the submissions made by interested parties regarding the likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry in case of revocation of duty. It is noted that definitive duty was originally imposed on reference price basis on all imports of subject goods from subject country. It is also noted that a sunset review was initiated in terms of Section 9A(5) of Customs Tariff Act which requires the Authority to examine whether the duty is required to be continued for a further period of five years and to examine the degree and extent of likelihood of continuance or recurrence of dumping and injury and the need for revocation of duty based on the information provided and arguments raised by interested parties during the course of the investigation.

33. For the purpose of assessing current injury in the period of investigation, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports on domestic industry. The dumping margin has been established from the subject country. Entire exports from subject country have been treated as dumped imports for the purpose of injury and causation analysis. The Authority has taken note of various arguments raised by domestic industry with regard to the material injury to the domestic industry and examined the submissions made regarding the likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry in case of revocation of duty.

ASSESSMENT OF DEMAND AND MARKET SHARE

34. Demand for the product has been assessed by considering sales of Indian producers and known imports of the product and the demand so assessed is shown in the following table,

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI(Annuallyised)
Sales of Domestic Industry	000'Pcs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	122	113	144
Production of Domestic industry	000'Pcs	728120	919829	857747	1072829
Indexed	Trend	100	126	118	147
Total Imports	000'Pcs	3139	80	1349	5506
Indexed	Trend	100	3	43	175
China	000'Pcs	3029	76	435	989
Indexed	Trend	100	3	14	33
Other Countries	000'Pcs	10	1	900	4485
Indexed	Trend	100	12	9050	45093
Sales of Other Producers	000'Pcs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	100	102	115
Unorganized Sector	000'Pcs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	100	91	119
Demand	000'Pcs	877352	1029954	964724	1214985
Indexed	Trend	100	117	110	138

297 GI/07—(6)

35. It is seen that demand of the subject goods has shown a positive trend during the injury period and both sales and production of the domestic industry have also improved during the injury period.

VOLUME AND MARKET SHARE OF DUMPED IMPORTS

36. Volume of imports from subject country as well as of other countries over the injury period are shown in the table below,

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI(annualized)
China	000'Pcs	3029	76	435	989
Indexed	Trend	100	3	14	33
Other Countries	000'Pcs	10	1	900	4485
Indexed	Trend	100	12	9050	45093
Imports	000'Pcs	3139	80	1349	5506
Indexed	Trend	100	2.54	42.97	175
Market Share in Imports	%				
China	%	96.50	95.35	32.21	17.95
Other Countries	%	0.32	1.51	66.72	81.45

37. It is noted that dumped imports from China has declined significantly during the POI whereas imports of the product from other countries have increased. The share of subject imports in total imports has declined whereas the share of other countries has significantly increased during the POI. As a result of decline in Chinese imports, share of Chinese imports in total demand has also declined and the share of imports from other countries increased during the same period. The domestic industry has argued that the imports from third countries were nothing but exports of Chinese origin but it was not substantiated with evidence for their claim, therefore, the Authority did not find appropriate to consider the claim of the domestic industry.

PRICE EFFECT

38. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows,

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

39. In a sunset review investigation, it is required to be examined whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of adverse price

effect in case of revocation of anti dumping duty. The selling price of the domestic industry and landed price of imports during the POI are shown below.

	Unit	
Net Sales realization of Domestic industry	Rs. / Pcs	****
Landed value without subject goods	Rs. / Pcs	****
Price Undercutting amount	Rs. / Pcs	****
Price undercutting %	%	40-44

The net sales realization of the domestic industry has been determined considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight & transportation. Entire sales volumes of the domestic industry have been considered for determination of net sales realization and landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. A comparison for subject goods during the period under investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the net sales realization of the domestic industry. It is found that the landed value of imports from China was lower than the net sales realization of the domestic industry for the subject goods during the POI and undercutting to the domestic prices of the domestic industry. The level of price undercutting was found that the price undercutting is in the range of 40-44%.

40. The non-injurious price determined for the domestic industry was compared with the landed value of imports to determine the extent of price underselling in the event of revocation of anti dumping duty. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producers by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI, the actual capacity utilization and providing reasonable profit on the capital employed. The analysis shows that the weighted average landed value of subject goods from China is less than the non-injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation and found that the price undercutting is in the range of 50-56%.

	Unit	
Non Injurious Price	Rs. / Pcs	****
Landed price of imports	Rs. / Pcs	****
Price underselling amount	Rs. / Pcs	****
Price underselling %	%	50-56

ECONOMIC PARAMETERS RELATING TO THE DOMESTIC INDUSTRY

41. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on

domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the Rules lays down various factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

Capacity and Production

42. Status of the domestic industry with regard to actual capacity, production, capacity utilization and sales volumes over the injury period has been as under,

PROFIT TABLE:

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Capacity of domestic industry	000'	868000	868000	1022000	1063333
Indexed	Trend	100	100	118	123
production of domestic industry	000'	728120	919829	857747	1072897
Indexed	Trend	100	126	118	147
Capacity Utilization of domestic industry	%	84	106	84	101
Indexed	Trend	100	126	90	113
Sales of domestic industry	000'	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	122	113	144

43. It is noted that production, capacity utilization and sales of the domestic industry have shown a positive trend during the injury period. Production of the domestic industry has increased from 100 during 2000-01 to 147 during the POI whereas a domestic sale has increased from 100 to 144 during the same period. Resultantly, capacity utilization of the domestic industry has also improved during the injury period.

PRODUCTIVITY

44. Productivity of the domestic industry is given in the table below.

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Productivity per employee (000')	No	****	****	***	****
Indexed	Trend	100	119	105	154

45. The productivity of the domestic industry has improved during the injury period from 100 during 2000-01 to 154 during the POI.

SALES

46. PRESENT SALES OF THE DOMESTIC INDUSTRY HAS BEEN AS UNDER,

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Sales of Domestic industry	000' Pcs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	122	113	144
Imports From subject country	000' Pcs	3029	76	435	989
Indexed	Trend	100	3	14	33

The sales of the domestic industry has increased during the entire injury period were as the imports from subject country has declined from 100 during 2001-02 to 33 during the period of investigation.

47. PROFITS, RETURN ON INVESTMENT AND CASH FLOW

Status of domestic industry with regard to profits, return on investment and cash flow over the injury period was examined and the position was found as under,

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Profit Before Tax	Rs. Lacs	****	****	***	****
Indexed	Trend	100	230	204	158
Profit before interest and tax	Rs. Lacs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	170	149	129
Return on capital employed - NFA Basis	%	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	167	120	102
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	174	157	120
Net sales realization	per pc.	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	96	94	85
Cost of sales	Per pc.	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	89	87	83
Profit/Loss	Per pc.	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	187	180	110

It is noted that the profits earned by the domestic industry has increased during the entire injury period, however, gradual increase in imports from other countries has started impacting the profits of the domestic industry. The Authority notes that the marginal decline in profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry during the POI compared to earlier years may be due to increase in imports from other countries. It is noted that a domestic industry profit per unit has also showing a positive trend during the entire injury period, however, it is noted that the profit per unit has declined by 70% during the period of investigation compared to the earlier period.

MARKET SHARE IN DEMAND

48. Designated authority has examined actual and potential changes in the market share of the domestic industry in demand of the product in the country.

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Market share in Demand					
Domestic industry	%	78.81	82.24	81.13	82.09
Other producers	%	14.96	12.74	13.85	12.42
Producer unorganized sector	%	5.88	5.01	4.88	5.04
Imports	%				
Subject country	%	0.35	0.01	0.05	0.08
Other countries	%	0.00	0.00	0.09	0.37

It is noted that market share of the domestic industry has increased during the entire POI, whereas the market share of dumped imports has declined from 0.35% during 2001-2002 to 0.08% during the POI whereas the market share of imports from other countries have increased from 0.0% during 2001-2002 to 0.37% during the POI.

EMPLOYMENT AND WAGES

49. It is noted that there may not be direct adverse effect on employment levels of the domestic industry due to dumped imports, as sales, production and productivity of the domestic industry has improved. These parameters were, nevertheless, examined and status of employment levels and wages have been as under,

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Employment	No	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	106	113	96
Wages	Rs. Lacs	****	****	****	****
Indexed	Trend	100	108	102	119

The employment levels with the domestic industry show a decline during the POI, but no substantial argument was raised on this account. Wages do not show decline, rather showing an increase over the period, which is reflective of the increments in wages.

PRICE UNDERCUTTING AND UNDERSELLING

50. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred to a significant degree.

51. In a sunset review investigation, it is required to be examined whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of adverse price effect in case of revocation of anti dumping duty. It is observed that import price of the subject goods reported from subject country was significantly lower than the net sales realization determined for the domestic industry. It was found that the landed value of imports were significantly undercutting the domestic sales price and it was found in the range of 40 to 44%.

	Unit	
Net Sales realization of Domestic industry	Rs. / Pc	****
Landed value without subject goods	Rs. / Pc	****
Price Undercutting amount		****
Price undercutting %	%	40-44

52. The net sales realization of the domestic industry has been determined considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight & transportation. Entire sales volumes of the domestic industry have been considered for this purpose. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. The comparison is done between net sales realization and landed price of imports. In order to determine the extent of price underselling, the non injurious price has been determined and compared with landed price of imports. It was observed that the weighted average landed value of subject goods from China is less than non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation and it was in the range of 50 to 56%.

	Unit	
Non Injurious Price	Rs. /Pc	****
Landed price of imports	Rs. / Pcs	****
Price underselling amount	Rs. / Pcs	****
Price underselling %	%	50-56

53. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production of the product under consideration during the POI, the actual capacity utilization and providing reasonable profit on the capital employed. The Authority considers that the non injurious price so determined is now representative of the non injurious price for the domestic industry as a whole.

INVENTORIES:

54. Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table,

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Inventory	000'Pcs	****	****	****	****
Indexed		100	97	93	116
Inventories as a% of sales	%	****	****	****	****
Indexed		100	79	81	81

55. It is noted that the inventory level of the domestic industry has increased during the injury period, but as a percentage of sales it has declined during the POI.

GROWTH

56. On examination of various economic parameters of the domestic industry, it is noted that various volume parameters of the domestic industry have shown positive trend during the injury period. It is further noted that the domestic industry has improved its performance with regard to profits, cash flow and return on capital employed during the entire injury period.

MAGNITUDE OF DUMPING

57. It is noted that the current dumping margin during the POI is more than limits prescribed for de-minimis determination and dumping margin determined in the original investigation was also significant.

ABILITY TO RAISE CAPITAL AND INVESTMENT

58. It is noted that product under consideration forms a significant portion of operation of the domestic industry. The profitability of the company has improved during the injury period, after a decline during the POI, the domestic industry is found to be in a position to raise capital and investment.

MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

59. The non-injurious price determined for the domestic industry has been compared with the landed value of exports for determination of injury margin. The weighted average injury margins have been found to be significant.

	Unit	POI (annualized)
Non Injurious price	Per Pcs	****
Landed value	Per pcs	****
Injury Margin	Per pcs	****

FACTORS AFFECTING DOMESTIC PRICES

60. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might affect the prices in the domestic market. It is noted that the landed value of imports is significantly below the selling price of the domestic industry causing severe price undercutting. It is also noted that there is no viable substitute to this product and the domestic prices compete with one another along with the landed value of the imports and the prices could be affected due to dumped prices.

OTHER KNOWN FACTORS AND CAUSAL LINK

61. Based on the arguments raised by the interested parties, the Authority has examined the current injury and causal link between the current injury and dumped imports from the subject country as well as likelihood of injury simultaneously. The Authority examined whether other listed known factors could have caused or are likely to cause injury to the domestic industry.

VOLUME AND PRICES OF IMPORTS FROM OTHER SOURCES

62. Imports from various countries have been as under:-

000,piece	2001-2002	2002-2003	2003-2004	POI(Annualized)
Subject country	3029	76	435	989
Countries Not attracting ADD	10	1	900	4485
Total imports	3039	77	1335	5506
Share in imports %				
Subject country	99.67	98.45	32.56	18.06
Countries Not attracting anti dumping duty	0.33	1.55	67.44	81.94

During the POI, in addition to the imports of subject goods from subject country, imports have taken place from number of other countries also. Total import from other sources increased from 3029 ,000 pieces during 2001-2002 to 5506,000 pieces during POI. On examination, it is further noted that the weighted average import price from sources not attracting anti dumping duty was higher than the dumped from the subject country. Therefore, it is held that imports from the other sources did not appear to have had significant adverse effect on the domestic industry, both in terms of volume and value.

CONTRACTION IN DEMAND AND / OR CHANGE IN PATTERN OF CONSUMPTION

000,pieces	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Demand	877352	1029954	964724	1214985
Indexed	100	117	110	138

Total domestic demand of the product under consideration has increased from 877352 ,000 pieces during 2001-2002 to 1214985,000 pieces during the POI. It is noted that the demand has consistently increased during the entire injury period. Thus, possible contraction in demand is not a factor that could have caused injury to the domestic industry.

TRADE RESTRICTIVE PRACTICES AND COMPETITION BETWEEN THE FOREIGN AND DOMESTIC PRODUCERS

63. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. The domestic industry consists of 3 major producers of the subject goods out of 5 producers of caustic soda in the Country. The Indian Producers competes among one another and at the same time compete with the landed price of imports of the subject goods. Present situation of injury to the domestic industry cannot be attributed to trade restrictive practices or unfair competition between foreign and domestic producers.

DEVELOPMENTS IN TECHNOLOGY AND EXPORT PERFORMANCE

64. Technology or technology related issues have not been raised by any interested parties as a possible cause of injury to the domestic industry. It is noted that the domestic industry has exported small quantity of subject goods during the POI that does not substantially affect the operations of the company. The export performance of the domestic industry is, thus, insignificant if compared with the entire sales of the domestic industry, therefore, export turnover does not affect performance of the domestic industry and can not be the cause of injury.

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	POI (annualized)
Export	000'Pcs	****	****	****	****
Indexed		100	124	130	119

PRODUCTIVITY OF THE DOMESTIC INDUSTRY

65. Productivity of the domestic industry in terms of labour output and daily output has shown a growth during the POI compared to the base year. It is also noted that productivity has shown a growth during the entire injury period along with growth in production and sales.

66. It is noted that market share of the domestic industry has improved during the entire injury period. The landed value of the subject goods during the period of investigation was below the net sales realization and the non injurious price determined for the domestic industry and was thus significantly undercutting the domestic selling prices. Should the exports undercut the prices of the domestic industry, the same is likely to have adverse volume and/or price effect and would be at dumped prices.

LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF INJURY

67. The domestic industry has argued that the requirement under sunset review is to examine whether revocation of anti dumping duty is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry. The domestic industry has also submitted that if the listed injury parameters do not show injury, the same only imply that the domestic industry has not suffered injury. This, however, does not establish that injury to the domestic industry is unlikely to recur in the event of revocation of anti dumping duties. The Authority has determined that the subject goods are continuing to enter the Indian market at dumped prices or are likely to be exported at dumped prices from the subject country in the event of withdrawal of anti dumping duties. It has already been established that the actual landed value of imports from the subject country were below the domestic selling price and non injurious price determined for the domestic industry. The Authority examined the likelihood of continuation or recurrence, considering the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules, which states as under:

"A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the Designated Authority shall consider, inter alia, such factors and;

- (a) *a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.*
- (b) *Sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.*

- (c) *Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports and,*
- (d) *Inventories of the article being investigated."*

68. The Authority notes that while it is true that these parameters have been listed for examination of threat of injury, nonetheless, these can be useful, in their application on *mutatis mutandis* basis, for an assessment whether injury to the domestic industry is likely to recur in the event of revocation of anti dumping duties.

69. It is noted that none of the exporters/producers from China have responded in this review investigation. The domestic industry has filed information based on the web sites of the Chinese producers regarding capacity and sales. The Authority notes since information with regard to surplus unutilized capacity, production and demand of subject goods in China has not been made available either by the Chinese exporters/producers or by Govt. of China, the Authority has proceeded with best available information as per Rule 6(8) of AD Rules. In the absence of any response and comments from the interested parties and cooperation from Chinese exporters, the Authority has relied upon the information provided by the domestic industry and information available on websites as the best available information.

70. The domestic industry has submitted that the exporters from China continued to export the subject goods at dumped prices in the Indian market through third countries and revocation of anti dumping duties would result in direct shipments and substantial increase in imports. The domestic industry further argued that the price difference between the domestic and imported material would be so huge in the event of revocation of anti dumping duties, there is no reason to believe that China would not divert significant volumes of the subject goods to the Indian market, more so when freely disposable capacities available with the foreign producers and capacities can be set up in a very short period.

71. The arguments and submissions were examined with regard to the information made available by the domestic industry about the production and sales. In order to determine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, the Authority considered the following parameters –

- Dumping margin determined in the original investigation,
- Dumping margin determined in the present investigation,
- Potential for export of the subject goods from China in the event of revocation of anti dumping duty.

72. On examination of these factors it is noted that

- (e) The dumping margins in the original investigation was 693%, which was quite significant.
- (f) Likely dumping margin in case of revocation of anti dumping duty determined in the present investigation is 65.93, which is also quite significant.
- (g) Likely export price from China are significantly below not only the normal value but also below the prevailing selling prices in India and non injurious price determined for the domestic industry;
- (h) Since none of the producer and exporter responded, it could not be demonstrated that withdrawal of anti dumping duty would not lead to likelihood of recurrence of dumping and injury to the domestic industry and continued imposition of the duty was unnecessary to offset dumping.
- (i) Web sites information prescribed by domestic industry on Chinese producers of the subject goods show a huge potential for exports. 8 Chinese producers are found to have production capacity of 6 Billion batteries with average 65% export orientation, since none of the exporters/producers cooperated in this investigation and did not provide information with regard to production, sales, demand and surplus available in the country of exports, however, domestic industry has provided the information from the secondary sources i.e. Chinese Batteries news. As per the information 243535250,000 pcs of subject goods were produced during 1999 and 10.47 billion pcs were exported during that period. This conservative figure based on the information of year 2000 still shows that China has huge potential for exports and in case of revocation of anti dumping duty already in place they may like to export the subject goods at dumped price.
- (j) Investigation has shown that the nature of the product is such that any producer can enhance capacity in a very short period, since investment involved in production of the subject goods is not quite significant.
- (k) The price difference between the Chinese supplies and Indian supplies is so significant that huge imports are likely in case of revocation of anti dumping duties.

73. It is noted that the producers/exporters from China did not cooperate, and they did not place any evidence on record that injury will not recur in event of withdrawal of measures.

H. **FINAL FINDINGS:**

74. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) the subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margin from subject country is significant and above de-minimis. The subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn. Thus, it has not been established that the continued imposition of the duty to offset dumping is unnecessary,
- ii) even though the domestic industry has improved its performance over the injury period, the injury to domestic industry may recur, should the present anti dumping duties be withdrawn, injury to the domestic industry is likely to continue or recur.

75. Having concluded that the situation of the domestic industry has improved due to anti dumping duty in place, there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury on account of imports from subject country if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is necessary against import from ChinaPR.

76. The Authority considers it necessary to continue with an anti dumping duty on all imports of subject goods from subject country in order to remove the injury to the domestic industry. The Authority recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports has been compared with the weighted average non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation.

77. Accordingly, the Authority recommends that definitive anti dumping duties as set out below be imposed by the Central Government on all imports of subject goods falling under customs heading 850610 of Schedule I under Chapter 85 of Customs Tariff Act originating in or exported from subject country. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column no.9 of the following table and the landed value of imports per MT on all imports of subject goods falling under chapter 85 of the Customs Tariff, originating or exported from the subject territory/countries mentioned below:-

Sl. No.	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (US\$)	Unit of Measure- ment	Curren- cy
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	850610	Dry Cell Batteries	zinc carbon pencil batteries, R6, AA, UM3, etc	China	China	Any Producer	Any Exporter	54.59	1000.piec e	USD
2	850610	Dry Cell Batteries	zinc carbon pencil batteries, R6, AA, UM3, etc	Any country other than China	China	Any Producer	Any Exporter	54.59	1000.piec e	USD
3	850610	Dry Cell Batteries	zinc carbon pencil batteries, R6, AA, UM3, etc	China	Any country other than China	Any Producer	Any Exporter	54.59	1000.piec e	USD

78. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

79. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall normally be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time stipulated for this purpose.

80. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 (as amended).

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority